

भविष्य के बारे में सपने देखकर अभी से मत उलझो। भूतकाल के समय को याद करके पछताने से अच्छा है अपने वर्तमान में रहो। -महात्मा बुद्ध



पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री editoranantgyaan@gmail.com पर या हार्डसोप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

